पाठ 5 हरी–हरी पत्तियाँ

आओ हम सब मिलकर पेड़ लगाएँ।
हरियाली सब ओर फैलाएँ।।
पेड़ हरा सोना कहलाते।
वायु को ये स्वच्छ बनाते।।
एक–एक सब पेड़ लगाओ।
मीठे–मीठे फल भी खाओ।।

- आपको कोई पेड़–पौधों से संबंधित कविता/लोकगीत याद हो तो कक्षा में सुनाइए।
- आपके आस–पास बहुत से पेड़–पौधे होंगे, उनके नाम कक्षा में बताइए।

माही अपने ताऊजी के साथ खेत पर गई। उसने देखा कि सरसों की फसल लहलहा रही थी। उसे पीले–पीले फूलों से भरी हुई धरती अत्यंत खूबसूरत लग रही थी। वे खेत के किनारे–किनारे चल रहे थे, तब उन्हें बहुत से पेड़–पौधे उगे हुए दिखाई दिए।

चित्र 5.1 माही अपने ताऊजी के साथ खेत पर

माही – ताऊ जी, यह छोटे–बड़े पेड़–पौधे किसने लगाए हैं?

ताऊ जी – कुछ पेड़ तुम्हारे दादा जी ने लगाए थे और कुछ स्वतः ही उग गए हैं।

वे धीरे–धीरे आगे बढ़ते हुए कुएँ के पास पहुँचे तो ताऊ जी ने बताया कि यह बरगद का पेड़ मेरे दादा जी ने लगाया था। यह पेड़ धीरे– धीरे बड़ा होता गया। इसकी शाखाओं से जड़ें निकलकर भूमि की ओर बढ़ने लगी और इस बड़े पेड़ को सहारा देने लगी है। ताऊ जी ने कहा मैं जब छोटा था, तब इन जड़ों को पकड़कर झूलता था।

चित्र 5.2 माही बरगद की जड़ों पर झूलते हुए

जिनका तना लंबा व मजबूत होता है एवं आयु अधिक होती है, उन्हें पेड़ कहा जाता है तथा जिनका तना कोमल एवं छोटा होता है, उन्हें पौधे कहा जाता है।

माही – ताऊ जी, आपने कौन–कौनसे पेड़ लगाए?

ताऊ जी – मैंने आम, नीम व पीपल के पेड़ लगाए हैं।

माही – मैं भी बरगद के पेड़ पर झूलूँ?

ताऊ जी – हाँ–हाँ, झूल लो।

पता कीजिए और बताइए

- आपके आस–पास कौन–कौनसे पेड़ हैं?

- आपके आस–पास सबसे पुराना पेड़ कौनसा है?
- इस पुराने पेड़ को किसने लगाया?

माही – ये फूलों के पेड़ लगे हुए हैं, इनको किसने लगाया?

ताऊजी – ये फूलों के पौधे हैं। इनको भी मैंने लगाया है। पेड़ लंबे और पौधे छोटे होते हैं ।

पता कीजिए और बताइए

- आपके घर या आस–पास फूल वाले कौन–कौनसे पौधे लगे हैं? उन पर लगने वाले फूलों के रंग बताइए।
- आपके आस–पास सबसे ऊँचा पेड़ कौनसा है?
- आपके आस–पास सबसे छोटा पेड़ कौनसा है?
- आपको सबसे अच्छा पौधा कौनसा लगता है?

माही – इन सब पेडों की पत्तियाँ तो हरी है। नीम की पत्तियों को तो देखो, ये छोटी हैं तो पीपल की पत्ती बड़ी है।

ताऊजी– पत्तियाँ कई तरह की होती हैं। आकार व किनारे भी अलग–अलग होते हैं। किसी का किनारा सीधा, किसी का कटाफटा और किसी का तिकोना।

माही – ताऊ जी, क्या पत्तियों का स्वाद एक जैसा होता है?

ताऊजी –नहीं, पत्तियों का स्वाद भी अलग–अलग होता है?

माही – ताऊ जी, तुलसी की पत्ती का स्वाद तीखा और नीम की पत्ती का स्वाद कड़वा है।

ताऊजी– अलग–अलग पेड़ की पत्तियों का स्वाद व गंध अलग–अलग होती है लेकिन हमें सभी पत्तियों को बड़ों से बिना पूछें चखना नहीं चाहिए।

माही – ताऊ जी, पुदीना और धनिया में तो बहुत अच्छी खुशबू आती है।

ताऊजी– हम अनेक पत्तियों और फलों को खाते हैं।

यह भी कीजिए

- आप विभिन्न प्रकार की पत्तियों का संग्रह कर, अपनी कॉपी में छोटे से बड़े क्रम में चिपकाइए।
- नीचे दी गई पत्तियों व उनके फलों का मिलान कीजिए
(इमली, नींबू, पपीता, केला, अनार)

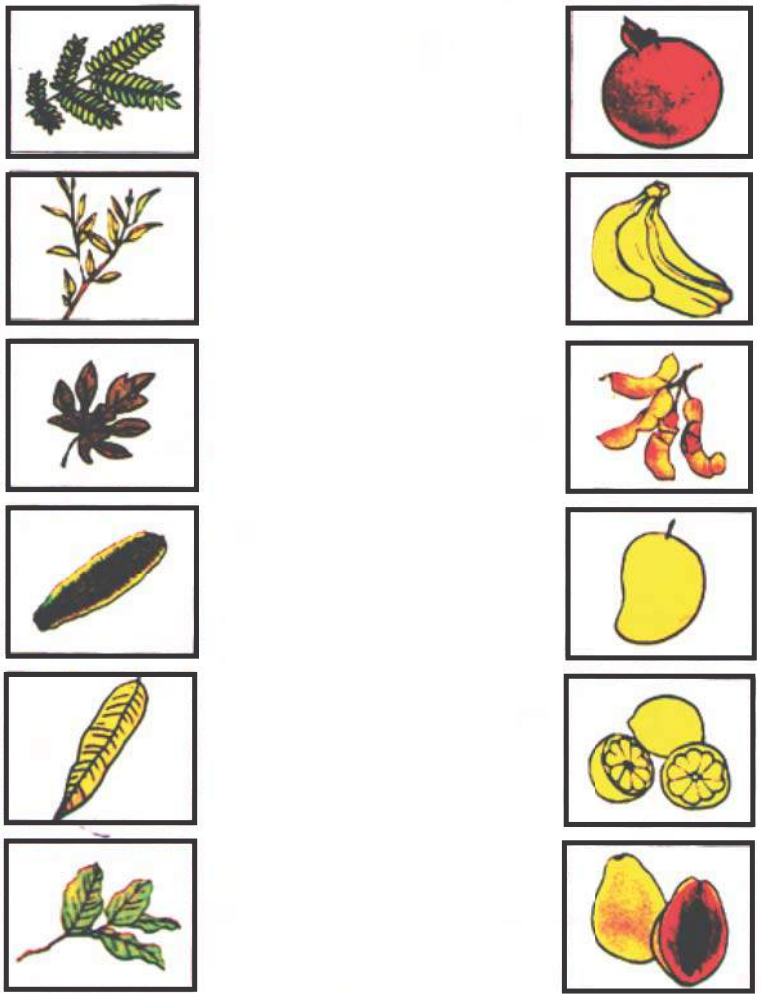

चित्र 5.3 विभिन्न पत्तियाँ व फल

पता कीजिए और लिखिए

- किस पौधे की खुशबू आपको अच्छी लगती है?

  .....

- कौन–कौन सी पत्तियाँ खाने के काम में आती हैं?

  .....

- कौन सी पत्ती का स्वाद आपको सबसे अधिक पसंद है?

  .....

- आपके घर में किन–किन वस्तुओं पर फूल–पत्तियों के चित्र बने हैं?

  .....

- आपके घर में शुभ एवं मांगलिक कार्यों में किन–किन फूल–पत्तियों से सजावट की जाती हैं?

  .....

माही – ताऊ जी, हमें पेड़–पौधों से तो बहुत कुछ मिलता है।

ताऊजी – हाँ, हमारा व पशु–पक्षियों का भोजन इन पेड़ों से ही तो मिलता है। पेड़ तो कई जन्तुओं एवं पक्षियों के आवास भी होते हैं।

माही – ताऊ जी, हमारे घर में दरवाजे, खिड़की, टेबल, कुर्सी आदि भी तो पेड़ों की लकड़ी से बनते हैं।

ताऊजी – हाँ बेटी, सही कह रही हो तुम। रसोई में जाकर देखो कौन–कौन सी वस्तुएँ हमें पेड़–पौधों से मिली है?

पता कीजिए

- आपकी रसोई में कौन–कौनसी चीजें पेड़ों से मिली है?
- आप ईंधन के रूप में कौन–कौनसी सामग्री काम में लेते हैं?
- आपके घर में कौन–कौनसी वस्तुएँ पेड़ों से मिली हैं?

माही – ताऊ जी, हमारे खेत पर कुछ पेड़ों की पत्तियाँ पीली क्यों हो गई है?

बसंत ऋतु से पहले पेड़ों की पत्तियाँ पीली होकर गिर जाती है। इस तरह पत्तियों का गिरना पतझड़ कहा जाता है। पतझड़ के पश्चात पेड़ों पर हरी–हरी कोमल पत्तियाँ उग कर पेड़ों को सुंदर बनाती है।

ताऊजी – अब पतझड़ का मौसम आने वाला है। पत्तियाँ धीरे–धीरे पीली होकर गिर जाएगी और पेड़ पर नयी हरी–हरी पत्तियाँ आने लगेगी।

माही – तब तो पेड़ अच्छा नहीं लगेगा।

ताऊजी – कुछ समय बाद हरी पत्तियाँ बड़ी हो जाएगी और पूरा पेड़ हरा–हरा हो जाएगा और सुंदर लगेगा।

शिक्षक निर्देश :– शिक्षक विद्यार्थियों को भ्रमण पर ले जाकर पेड़–पौधों को अंतर समझाएँ एवं इनके लाभ पर चर्चा करें।

हमने सीखा

- जिनका तना लंबा व मजबूत होता है एवं आयु अधिक होती है, उन्हें पेड़ कहा जाता है तथा जिनका तना कोमल एवं छोटा होता है, उन्हें पौधे कहा जाता है।
- विभिन्न प्रकार के पेड़–पौधों की पत्तियाँ भी अलग–अलग आकार, रंग,रुप एवं खुशबू वाली होती हैं।
- कुछ पेड़ों की पत्तियों, फूलों एवं जड़ों से दवाईयाँ बनाई जाती हैं। पेड़ों की लकड़ी का उपयोग दैनिक जीवन की उपयोगी चीजें बनाने में किया जाता हैं।
- पत्तियों का पीला होकर गिर जाना, पतझड़ कहलाता है।
- अनेक पत्तियों जैसे – पालक, पुदीना, धनिया, मेथी, बथुआ आदि का उपयोग सब्जी बनाने में किया जाता है।

वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ।